License Information

Translation Questions (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Questions (unfoldingWord)

योना 1:2

यहोवा ने योना से क्या करने के लिए कहा?

यहोवा ने योना से कहा कि उठकर और बड़े नगर नीनवे को जा, और उसके विरुद्ध प्रचार कर।

योना 1:3

जब यहोवा ने योना से नीनवे जाने के लिए कहा, तब उसने क्या किया?

योना यहोवा के सम्मुख से तर्शीश को भाग जाने के लिये उठा।

योना 1:4

यहोवा ने उस जहाज के साथ क्या किया जिस पर योना सवार था?

यहोवा ने समुद्र पर एक प्रचण्ड आँधी चलाई और समुद्र में बड़ी आँधी उठी, जिससे जहाज टूटने पर था।

योना 1:5

आँधी के बीच मल्लाह लोग किसकी दुहाई देने लगे?

मल्लाह लोग डरकर अपने-अपने देवता की दुहाई देने लगे।

योना 1:7

मल्लाहों ने यह कैसे निर्धारित किया कि विपत्ति का कारण कौन था?

मल्लाहों ने यह जानने के लिए चिट्ठियाँ डालीं कि उस विपत्ति का कारण कौन है, और चिट्ठी योना के नाम पर निकली।

योना 1:7 (#2)

चिट्ठी डालने का परिणाम क्या हुआ?

परिणाम यह हुआ कि चिट्ठी के द्वारा पता चला कि वे जिस विपत्ति का सामना कर रहे थे उसका कारण योना था।

योना 1:10

मल्लाहों को कैसे पता चला कि योना यहोवा के सम्मुख से भाग रहा था?

मल्लाह जान गए थे कि योना यहोवा के सम्मुख से भाग आया है, क्योंकि उसने आप ही उनको बता दिया था।

योना 1:12

आँधी को रोकने के लिए योना ने उन पुरुषों से क्या करने को कहा?

योना ने पुरुषों से कहा कि वे उसे उठाकर समुद्र में फेंक दें।

योना 1:14

मल्लाहों ने यहोवा से कौन-कौन सी दो विनती की?

मल्लाहों ने यहोवा से विनती की कि वह योना के प्राण के बदले उनका नाश न करें और न उन्हें योना की हत्या का दोषी ठहराएं।

योना 1:15

जब मल्लाहों ने योना को समुद्र में फेंक दिया, तब क्या हुआ?

जब मल्लाहों ने योना को समुद्र में फेंक दिया, तब समुद्र की भयानक लहरें थम गईं।

योना 1:17

जब मल्लाहों ने योना को समुद्र में फेंक दिया, तो उसके साथ क्या हुआ?

यहोवा ने एक महा मच्छ ठहराया था कि योना को निगल ले; और योना उस महा मच्छ के पेट में तीन दिन और तीन रात पड़ा रहा।

योना 2:1

योना ने महा मच्छ के पेट में क्या किया?

योना ने प्रार्थना में यहोवा को पुकारा क्योंकि वह संकट में था।

योना 2:4

योना को क्या आशा थी कि वह फिर से क्या कर सकेगा?

योना को आशा थी कि वह फिर से यहोवा के पवित्र मन्दिर की ओर ताक पाएगा।

योना 2:6

यहोवा ने योना के प्राणों को कहाँ से उठाया?

यहोवा ने योना के प्राणों को गड्ढे में से उठाया।

योना 2:8

योना ने क्या कहा कि जो लोग धोखे की व्यर्थ वस्तुओं पर मन लगाते हैं, उनके साथ क्या होता है?

योना ने कहा कि जो लोग धोखे की व्यर्थ वस्तुओं पर मन लगाते हैं, वे अपने करुणानिधान को छोड़ देते हैं।

योना 2:9

जब योना ने महा मच्छ के पेट में प्रार्थना की, तो उसने क्या कहा कि वह क्या करेगा?

योना ने कहा कि वह ऊँचे शब्द से धन्यवाद करके यहोवा को बलिदान चढ़ाएगा और जो मन्नत उसने मानी, उसको पूरी करेगा।

योना 2:9 (#2)

योना ने क्या कहा कि उद्धार किसके द्वारा है?

योना ने कहा कि उद्धार यहोवा ही से होता है।

योना 2:10

यहोवा ने योना की प्रार्थना का उत्तर कैसे दिया?

यहोवा ने महा मच्छ को आज्ञा दी, और उसने योना को स्थल पर उगल दिया।

योना 3:2

यहोवा ने दूसरी बार योना को क्या करने की आज्ञा दी?

यहोवा ने योना को नीनवे जाकर यहोवा का प्रचार करने की आज्ञा दी।

योना 3:3

दूसरी बार जब यहोवा ने योना से नीनवे जाने के लिए कहा, तो उसने कैसे प्रतिक्रिया दी?

योना ने यहोवा की आज्ञा का पालन किया और नीनवे को गया।

योना 3:4

योना ने नीनवे में क्या प्रचार किया?

योना ने कहा कि अब से चालीस दिन के बीतने पर नीनवे उलट दिया जाएगा।

योना 3:8

नीनवे के लोगों ने योना द्वारा सुनाए गए यहोवा के प्रचार पर कैसी प्रतिक्रिया दी?

नीनवे के लोगों ने परमेश्वर पर विश्वास किया, उपवास किया, और टाट ओढ़ें। नीनवे के राजा ने एक आज्ञा जारी की जिसमें कहा गया कि क्या मनुष्य या क्या पशु कोई न खाएँ और न पानी पीएँ। प्रत्येक मनुष्य और पशु दोनों टाट ओढ़ें, और प्रत्येक मनुष्य परमेश्वर की दुहाई चिल्ला चिल्लाकर दें और वे अपने कुमार्ग से फिरें; और उस उपद्रव से, जो वे करते हैं, पश्चाताप करें।

योना 3:9

नीनवे के राजा को नीनवे के लोगों और नगर के लिए क्या आशा थी?

नीनवे के राजा को आशा थी कि सम्भव है की परमेश्वर का भड़का हुआ कोप शान्त हो जाए और उन पर दया करे ताकि नीनवे के लोग नाश होने से बच जाएँ।

योना 3:10

परमेश्वर ने नीनवे के लोगों के पश्चाताप पर कैसी प्रतिक्रिया दी?

परमेश्वर ने उनके कामों को देखा, कि वे कुमार्ग से फिर गए हैं। तब परमेश्वर ने अपनी इच्छा बदल दी, और उनकी जो हानि करने की ठानी थी, उसको न किया।

योना 4:1

योना का क्रोध क्यों भड़का?

योना का क्रोध भड़का क्योंकि उसे यह बात बहुत बुरी लगी कि यहोवा ने नीनवे के लोगों पर दया की और उन्हें दण्ड नहीं दिया।

योना 4:2

योना ने बताया कि उसने तर्शीश भागने की कोशिश क्यों की थी?

योना ने कहा कि उसने तर्शीश भागने की कोशिश की थी क्योंकि वह जानता था कि यहोवा एक अनुग्रहकारी और दयालु परमेश्वर हैं, और विलम्ब से कोप करनेवाला करुणानिधान है और दुःख देने से प्रसन्न नहीं होता।

योना 4:3

योना ने यहोवा से क्या करने को कहा?

योना ने यहोवा से उसके प्राण ले लेने की प्रार्थना की।

योना 4:4

यहोवा ने योना से कौन सा प्रश्न किया?

यहोवा ने योना से कहा कि उसका जो क्रोध भड़का है, क्या वह उचित है।

योना 4:5

योना नगर से बाहर जाकर नगर की ओर मुँह करके क्यों बैठ गया?

योना यह देखना चाहता था कि नीनवे नगर के साथ क्या होगा।

योना 4:6

जब योना नगर के बाहर बैठा था, तब यहोवा ने उसके लिए क्या किया?

यहोवा परमेश्वर ने एक रेंड़ का पेड़ उगाकर ऐसा बढ़ाया कि योना के सिर पर छाया हो।

योना 4:7

यहोवा ने उस पेड़ के साथ क्या किया जो योना को छाया प्रदान कर रहा था?

सवेरे जब पौ फटने लगी, तब परमेश्वर ने एक कीड़े को भेजा, जिसने उस पेड़ को ऐसा काटा कि वह सूख गया।

योना 4:9

जब यहोवा ने पौधे को सुखा दिया और योना पर पुरवाई बहाकर लू चलाई, तब यहोवा ने योना से कौन सा प्रश्न पूछा?

यहोवा ने योना से पूछा कि उसका क्रोध, जो उस पेड़ के कारण भड़का है, क्या वह उचित है।

योना 4:10

योना को कैसा महसूस हुआ जब वह पेड़ जिसने उसे छाया दी थी, सूखकर नाश हो गया?

योना ने उस पेड़ पर तरस खाई जो सूखकर नाश हो गया।

योना 4:11

यहोवा ने किसके प्रति तरस खाई?

यहोवा ने नीनवे के लोगों और घरेलू पशुओं के प्रति तरस खाई।